# मेरा भारत

**मूलभाव :-** हमारा देश भारत महान है। हम सब इसकी सन्तान है। यहाँ हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई सब हिल-मिल कर रहते हैं। सबका आपस में भाई-भाई जैसा प्यार है। कभी भी लड़ाई झगड़े नहीं करते, यही भारत की पहचान है। उत्तर में हिमालय, दक्षिण में सागर और पूरब से लेकर पश्चिम तक एकता एक समान रहता है। इसलिए भारत देश हमारा महान है।

**মূলভাৱ :-** আমাৰ দেশ ভাৰত মহান। আমি সকলো ভাৰতৰ সন্তান। ইয়াত হিন্দু, মুছলিম, শিখ, খ্ৰীষ্টান সকলো মিলি-জুলি বাস কৰো। সকলোৰে মাজত ভাই-ভাইৰ মৰম আছে। কেতিয়াও হাই কাজিয়া নহয়, এইটোৱে আমাৰ পৰিচয়। উত্তৰত হিমালয়, দক্ষিণত সাগৰ আৰু পূবৰ পৰা পশ্চিমলৈ একতাৰ এনাজৰী সুদৃঢ় হৈ থাকে। এইকাৰণে ভাৰত দেশ মহান।

## शब्दार्थ

सन्तान :- সন্তান (ভাৰত মাতাৰ সন্তান পাঠটোত বুজোৱা হৈছে)

सागर :- সমুদ্ৰ

महान :- ডাঙৰ

## अभ्यास

**1. प्रश्नों के उत्तर दो :**

**(क) भारत में कौन-कौन रहते हैं ?**

**उत्तर:** भारत में हिन्दू, मुस्लिम, सिख और ईसाई रहते है।

**(ख) आपस में भाई-भाई कौन हैं ?**

**उत्तरः** हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई आपस में हैं भाई-भाई।

**(ग) उत्तर में क्या है ?**

**उत्तर:** उत्तर में हिमालय खड़ा है।

**(घ) दक्षिण में क्या है ?**

**उत्तर:** दक्षिण में सागर है।

**2. खाली स्थान भरो– (एकता, पहचान, सन्तान)**

**(क) हम सब हैं इसकी——।**

**उत्तर:** हम सब हैं इसकी सन्तान ।

**(ख) हम सब हैं इसकी———।**

**उत्तर:** हम सब हैं इसकी पहचान ।

**(ग) रहे—— एक समान ।**

**उत्तरः** रहे एकता एक समान।

**3. वाक्य बनाओ — एकता, समान, महान, भारत ।**

**उत्तर:** एकता – अनेकता में एकता ही हमारा पहचान है।

समान – हमारे देश सभी को एक समान देखा जाता है।

महान – हमारा देश महान है।

भारत – हम भारत में रहते हैं